हिंदी दैनिक

न्यूज़ वायरस

वर्ष : 11 अंक : 40 | देहरादून, शनिवार, 30 जुलाई, 2022 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 08

उत्तराखंड को ड्रग्स फ्री स्टेट बनाने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम 3

लोगों की सहभागिता के बगैर टिकाऊ विकास संभव नहीं : सतपाल महाराज

महाराज ने आईएफएस प्रोबेशनर्स प्रशिक्षुओं से कहा जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का दृढ़ता से करें सामना

आशीष तिवारी की विशेष रिपोर्ट
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हमें वानिकीकरण के साथ-साथ मृदा एवं जल संरक्षण पर भी जोर देने की आवश्यकता है, ऐसा करने से हम जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का सामना दृढ़ता से कर पाएंगे और हमारे देश द्वारा तय किए गए कार्बन सिकवेष्ट्रशन एवं भूमि क्षरण तटस्थता (Land Degradation Neutrality) के लक्ष्यों को भी प्राप्त कर सकते हैं।उक्त बात प्रदेश के जलागम, पंचायतीराज, मंत्री सतपाल महाराज ने शुक्रवार को नव हास्टल, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी में पिछले दो सप्ताह से मृदा एवं जलसंक्षण और जलागम प्रबंधन पर चल रहे प्रशिक्षण के समापन अवसर पर बोलते हुए कही। मृदा एवं जलसंक्षण और जलागम प्रबंधन पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि जलागम मंत्री सतपाल महाराज ने आईएफएस प्रोबेशनर्स प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय वन सेवा अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 के तहत गठित तीन अखिल भारतीय सेवाओं में से एक है। जबकि 2 सेवाएं भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय पुलिस सेवा है। मेरे लिए यह गर्व की बात है कि मुझे आईएफएस-2021 बैच के सभी चयनित अधिकारियों को संबोधित करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मैं दोनों संस्थानों के अधिकारियों को इस बात के लिए बधाई देता हूं कि आपने दोनों संस्थानों के मध्य एक सार्थक सहयोग के लिए एक सराहनीय कदम उठाया है।आईएफएस प्रोबेशनर्स के रूप में आपने आईजीएनएफए में प्रशिक्षण लिया है जिसमें कई विषयों जैसे वानिकी, वन्य जीवन, पर्यावरण प्रबंधन कानून और सामाजिक विज्ञान विज्ञान से संबंधित लगभग 24 तकनीकी विषयों को कवर किया जाता है। आप यह भली-भांति जानते हैं कि पारिस्थितिकी संतुलन एवं इसकी उचित सेवाओं के लिए किसी क्षेत्र विशेष में उपस्थिति का प्रबंधन समेकित दृष्टिकोण से करना आवश्यक है।

दो सप्ताह से चल रहे मृदा एवं जलसंक्षण और जलागम प्रबंधन प्रशिक्षण का समापन

महाराज ने कहा कि मिट्टी व जल जीवन के मूल आधार हैं, इनका टिकाऊ प्रबंधन एवं संरक्षण मानव कल्याण हेतु हमेशा से जरूरी रहा है जिसकी चर्चा हमारे विभिन्न ग्रंथों में भी की गई है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान ने आईएफएस प्रोबेशनर्स को मृदा एवं जल संरक्षण और जलागम प्रबंधन पर 12 दिनों का एक समुचित प्रशिक्षण दिया है। इस प्रशिक्षण मेंथ्योरी के साथ-साथ फील्ड प्रैक्टिकल को ज्यादा महत्व दिया गया और आप सभी आईएफएस प्रोबेशनर्स ने इसमें प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा लिया है।

कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रशिक्षण से आपके ज्ञान व कौशल में वृद्धि हुई होगी और यह भविष्य में आप के काम आएगा। उन्होंने कहा कि पारिस्थितिकी की उचित सेवाओं के लिए किसी भी क्षेत्र विशेष में कृषि, वानिकी या अन्य भू-उपयोग को अलग-अलग दृष्टि से नहीं देखा जा सकता। इसके साथ-साथ उस क्षेत्र विशेष में रहने वाले लोगों की सहभागिता के बगैर टिकाऊ विकास संभव नहीं है। यही सिद्धांत जलागम प्रबंधन में निहित है।मंत्री महाराज ने सभी आईएफएस प्रोबेशनर्स प्रशिक्षुओं से कहा कि जलागम प्रबंधन के सिद्धांतों और इसके लिए आवश्यक व्यवहारिक ज्ञान जरूरी है यदि भविष्य में आप को जलाकर में काम करने का मौका मिले तो आपको इस प्रशिक्षण का निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। हमारे देश में मिट्टी का कटाव एक अत्यंत विकट समस्या है खास तौर पर पर्वतीय राज्य इससे बुरी तरह प्रभावित है बड़े ही आश्चर्य की बात है कि केवल मृदा कटाव को नियंत्रित करने से हम अपने देश की कुल कार्बन सिकवेष्ट्रशन क्षमता का करीब 45 प्रतिशत प्राप्त कर सकते हैं।

जलागम मंत्री ने कहा कि हमारे देश के ज्यादातर हिस्सों में ग्रामीण विकास किया जाना आज एक बहुत बड़ा मुद्दा है और ग्रामीण पलायन एक बहुत बड़ी समस्या है। इसके लिए जलागम आधारित कृषि विकास कारगर उपाय है, क्योंकि इस दृष्टिकोण से मिट्टी, पानी, जंगल, जानवर व जन का एक क्षेत्र विशेष में समुचित प्रबंधन और विकास किया जाता है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के कारण वर्षा की तीव्रता में वृद्धि हुई है और वर्ष भर में वर्षा दिवसों में भारी कमी आई है। इस वजह से अल्प समय में बहुत तेज वर्षा होने से मिट्टी कटाव, भूस्खलन एवं तीव्र जल प्रवाहों की समस्या दिन-प्रतिदिन गहराती जा रही है।

कैबिनेट मंत्री महाराज ने कहा कि देश के कई हिस्सों में प्राकृतिक जल स्रोत भी निरंतर सूखते जा रहे हैं। इन चुनौतियों से निपटने के लिए एक वन अधिकारी होने के नाते आपका योगदान बहुत महत्वपूर्ण है।इस अवसर पर इंदिरा गांधी राष्ट्रीय वन अकादमी के निदेशक भरत ज्योति, भारतीय मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान के निदेशक डॉक्टर एम.मधु, वन अकादमी के अपर निदेशक सुशील कुमार प्रधान वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष डॉ धर्मवीर सिंह वन अकादमी और मृदा संरक्षण संस्थान के विशेषज्ञ एवं कई आईएफएस प्रोबेशनर्स प्रशिक्षु उपस्थित थे।

बादलों ने डाला डेरा : देहरादून, नैनीताल पौड़ी समेत सात जिलों में भारी वर्षा के आसार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में घने बादलों ने डेरा डाल रखा है। मौसम विभाग की चेतावनी के अनुसार शुक्रवार को पर्वतीय क्षेत्रों में कहीं-कहीं भारी वर्षा दर्ज की गई। कहीं-कहीं हल्की बौछारें पड़ रही हैं। आज भी देहरादून, नैनीताल समेत सात जिलों में भारी वर्षा होने के आसार हैं। इसको लेकर मौसम विभाग ने आरेंज अलर्ट जारी किया है।

प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में सुबह से ही घने बादल छाए रहे। दून समेत ज्यादातर क्षेत्रों में दोपहर बाद हल्की बूंदाबांदी हुई, जबकि रात को वर्षा के आसार बने रहे। चमोली और आसपास के क्षेत्रों में भारी वर्षा हुई है। इससे कई जगह भूस्खलन होने से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जीओसी मेजर जनरल संजीव खत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। चम्पावत में सीएसडी कैंटीन का होगा विस्तारीकरण, उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जीओसी ने मुख्यमंत्री धामी से की भेंट मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार देहरादून, नैनीताल, पौड़ी, टिहरी, चम्पावत, पिथौरागढ़ और बागेश्वर में भारी से बहुत भारी वर्षा हो सकती है। अन्य जिलों में गरज के साथ बौछारें पड़ने के आसार हैं। पर्वतीय क्षेत्रों में भूस्खलन की आशंका के चलते सतर्क रहने की सलाह दी गई है। नई टिहरी : गुरुवार को हुई वर्षा से कीर्तिनगर प्रखंड के जखंड गांव में ग्रामीण मकानी देवी के घर की छत टूट गई। गनीमत यह रही कि परिवार के सदस्य दूसरे घर में रह रहे थे, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। छत छतिग्रस्त होने से कमरे में रखी खाद्य सामग्री व अन्य सामन भी खराब हो गया। मकानी देवी ने बताया कि क्षतिग्रस्त हुआ भवन काफी पुराना था। गुरुवार रात्रि को भी वर्षा में खतरे की आशंका को देखते हुए परिवार के सदस्य पास में ही बने दूसरे भवन में आ गए थे। वहीं वर्षा के चलते जिले में छह ग्रामीण सड़कें भी बंद पड़ी हैं जिस कारण ग्रामीणों का आवागमन प्रभावित हो गया है। हालांकि जिले में किसी बड़ी घटना की कोई सूचना नहीं है।

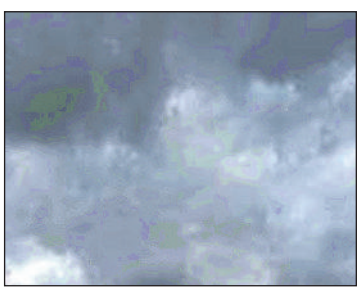

308 नए संक्रमित मिले, 1495 पहुंची सक्रिय मरीजों की संख्या

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही है। शुक्रवार को बीते 24 घंटे के भीतर प्रदेश में 308 नए संक्रमित मिले हैं। जबकि 164 मरीज ठीक हुए हैं। वहीं, एक भी मरीज की मौत नहीं हुई है। सक्रिय मरीजों की संख्या भी लगातार बढ़ रही है। प्रदेश में फिलहाल 1495 कोरोना मरीजों का इलाज चल रहा है। जबकि गुरुवार को प्रदेश में 1359 सक्रिय मरीज थे।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक शुक्रवार को 1935 सैंपलों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है। वहीं, देहरादून जिले में सबसे ज्यादा 177, हरिद्वार में 32, नैनीताल में 34, पौड़ी में 12, उत्तरकाशी में 16, अल्मोड़ा में 18, बागेश्वर, चंपावत और रुद्रप्रयाग में एक-एक, चमोली में तीन, पिथौरागढ़ में दो, टिहरी में चार और ऊधमसिंह नगर में सात संक्रमित मरीज मिले हैं। प्रदेश की रिकवरी दर 94.60 प्रतिशत और संक्रमण दर 13.73 प्रतिशत दर्ज की गई।

बिना कर्मचारियों की कैसे होगी कोरोना जांच

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश सरकार ने टेस्टिंग और ट्रेसिंग बढ़ाने के निर्देश तो जारी कर दिए गए हैं। पर सवाल यह है कि बिना कर्मचारियों यह काम होगा कैसे। स्वास्थ्य विभाग के पास कर्मचारियों का टोटा है।

कोरोना संक्रमण के मामले देश और प्रदेश में भी बढ़ रहे हैं। इससे संक्रमण को लेकर सरकार की तरफ से सतर्कता बरती जा रही है। जिसके मद्देनजर 25 जुलाई को शासन और जिलाधिकारी की ओर से कोरोना टेस्टिंग बढ़ाने व मरीजों की ट्रेसिंग करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कोरोना संक्रमितों की निगरानी करने के लिए भी स्वास्थ्य विभाग को कहा गया है।

हर महीने 8 लाख रुपये सैलरी, 2 दिन छुट्टी, फिर भी नहीं मिल रहे काम करने वाले

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको बता दें कि यह वेतन चपरासी और स्वीपर की नौकरी के लिए है। लेकिन यह नौकरी भारत में नहीं है। आज भी भारत में स्वीपर और चपरासी का मूल वेतन लगभग 18,000 रुपये है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया में इस प्रोफाइल की नौकरी के लिए 8 लाख रुपये प्रति माह तक का पैकेज मिल रहा है, भारत में स्वीपर और चपरासी की नौकरी बहुत छोटी मानी जाती है। बावजूद इसके जब इस कैटेगरी में कोई वैकेंसी आती है तो लाखों कैंडिडेट्स अप्लाई करते हैं।रिक्तियों की संख्या से आवेदन कई गुना आते हैं। जबकि ग्रुप डी के तहत स्वीपर की नौकरी के लिए मूल वेतन केवल 18,000 रुपये है। ऐसे में अगर यह कहा जाए कि कोई ऐसी जगह है जहां चपरासी और सफाई कर्मचारी के पदों पर काम करने वालों को 08 लाख रुपये तक की तनख्वाह और दो छुट्टी भी मिलती है, तो कोई यकीन नहीं करेगा. लेकिन यह सच है, मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों स्वीपर और चपरासी की नौकरी के लिए समान वेतन दिया जा रहा है।

वहीं, ऑस्ट्रेलिया की अर्बन कंपनी के मुताबिक सपा कार्यकर्ताओं का वेतन दोगुना कर दिया गया है। कंपनी के प्रवक्ता के मुताबिक, कंपनियां भी सफाई कर्मचारी को 4700 रुपए प्रति घंटा देने को तैयार हैं। ऐसे में उनका सालाना पैकेज 97 लाख के आसपास होगा, लेकिन अभी भी बहुत कम लोग इसमें दिलचस्पी ले रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों सफाईकर्मियों की भारी कमी है. यही वजह है कि वहां के चपरासी की सैलरी इतनी ज्यादा हो गई है। इतनी जबरदस्त सैलरी के बाद भी लोग काम करने को तैयार नहीं हैं. आपको बता दें कि ऑस्ट्रेलिया में कंपनियों को 8 लाख वेतन के साथ-साथ अतिरिक्त छुट्टियां और कई सुविधाएं दी जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया में स्वीपर और चपरासी के पदों पर काम करने वालों को बेहतरीन सैलरी के साथ-साथ हफ्ते में दो छुट्टियां भी मिलेंगी. यानी आपको हफ्ते में सिर्फ पांच दिन ही काम करना है। इसके अलावा एक दिन में सिर्फ 08 घंटे काम करना होगा। आपको बता दें कि इस नौकरी के लिए कहीं-कहीं 72 लाख से 1 करोड़ तक के पैकेज की पेशकश की जा रही है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया में इन दिनों लोगों को सफाईकर्मी और चपरासी का काम नहीं मिल रहा है. एब्सोल्यूट डोमेस्टिक कंपनी के प्रबंध निदेशक जो वीस ने कहा कि सफाईकर्मियों की कमी को देखते हुए कंपनी ने कई नए ऑफर्स लॉन्च किए हैं. उन्होंने कहा कि अगर कोई सफाईकर्मी ओवर शिफ्ट में काम करना चाहता है तो उसे 3600 रुपये प्रति घंटे अतिरिक्त मिलेंगे।

पहले 2700 रुपये ओवरटाइम के लिए मिलते थे, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 3600 कर दिया गया है। इसके बाद भी उन्हें सफाईकर्मी का काम नहीं मिल रहा है। जो वीस के मुताबिक, यह समस्या कोई नई नहीं है। साल 2021 में ही मालिक के वेतन समय में वृद्धि की गई थी।

भारतीय रुपये के इन देशों में जलवा है जलवा

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

कुछ देशों के सामने भारतीय रुपये की कीमत भले ही कम हो लेकिन कुछ देश ऐसे भी हैं। जहाँ भारतीय रुपये की कीमत बहुत ज्यादा है। आज हम आपको कुछ ऐसे देशों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आप खुलेआम घूम सकते हैं। ऐसे कई देश हैं जहां भारतीयों को यात्रा करना बहुत महंगा लगता है, ऐसा इसलिए है क्योंकि उन देशों की मुद्रा का मूल्य भारतीय रुपये से अधिक है।अमेरिका और यूरोप उन देशों में से एक हैं। यहां डॉलर और यूरो की कीमत भारतीय रुपये के मुकाबले काफी ज्यादा है। जिससे भारतीयों के लिए यहां यात्रा करना काफी महंगा है। लेकिन आपको निराश होने की जरूरत नहीं है क्योंकि इन देशों के अलावा कुछ देश ऐसे भी हैं जहां आप बेफिक्र होकर घूम सकते हैं क्योंकि इन देशों की करेंसी की कीमत भारतीय रुपये से भी कम है।तो आइए जानते हैं उन सभी देशों के बारे में जहां आप घूमने का प्लान कर सकते हैं।

इंडोनेशिया- इंडोनेशिया एशियाई महाद्वीप का एक हिस्सा है। यहां कई बौद्ध और हिंदू मंदिर हैं। इस देश की मुद्रा का नाम इंडोनेशियाई रुपिया है। यहां एक भारतीय रुपये की कीमत 188.11 इंडोनेशियाई रुपिया है। यानी अगर आपके पास 100 रुपए की भारतीय करेंसी है तो यह इंडोनेशियाई रुपिया के करीब 18,811 के बराबर है।

लाओस- इस देश में बहुत ही खूबसूरत गांव और झरने हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। वहां की करेंसी का नाम Keep है। एक भारतीय रुपया लगभग 188 किप के बराबर होता है। यानी अगर आपके पास 100 भारतीय रुपये हैं तो यह लगभग 18,864 कीप के बराबर है।

वियतनाम- वियतनाम दक्षिण एशिया का एक देश है। वियतनाम दुनिया भर में अपने पर्यटन स्थल के लिए जाना जाता है। यहां का खूबसूरत बीच संस्कृति और खाने-पीने के पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। एक भारतीय रुपया 294.21 वियतनामी डोंग के बराबर है। यानी अगर आपके पास 100 रुपए की भारतीय करेंसी है तो यह वियतनामी डोंग के 29,421 रुपए के बराबर है।

बदरीनाथ हाईवे 15 मीटर बहा, दो हजार से अधिक यात्री फंसे, नाले का जलस्तर घटते ही सुचारु होगा कार्य

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

गोपेश्वर/उत्तरकाशी : बदरीनाथ हाईवे पर शुक्रवार शाम पांच बजे वर्षा के दौरान खचड़ानाला व लामबगड़ नाला ऊफान पर आ गया। इससे लामबगड़ में 10 मीटर व खचड़ानाला में पांच मीटर हाईवे का हिस्सा बह गया। इससे हाईवे के दोनों ओर 2000 से अधिक यात्री फंस गए।

बीआरओ के कमांडर मनीष कपिल का कहना है कि मशीनें मौके पर तैनात हैं। नाले का जलस्तर घटते ही हाईवे सुचारु करने का कार्य शुरू होगा। वहीं, गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर बंदरकोट के पास शुक्रवार सुबह साढ़े पांच बजे भारी भूस्खलन से राजमार्ग करीब साढ़े पांच घंटे अवरुद्ध रहा। सुबह 11 बजे राजमार्ग को सुचारू किया।

शुक्रवार शाम चमोली जिले में भारी वर्षा हुई। इस दौरान जोशीमठ से बदरीनाथ के बीच लामबगड़ से पहले खचड़ानाला व लामबगड़ के बाद पड़ने वाला लामबगड़ नाला ऊफान पर आ गया। इस दौरान यात्री वाहनों को पांडुकेश्वर व जेपी कालोनी के पास रोक दिया गया। बदरीनाथ क्षेत्र में एक हजार यात्री फंसे हुए हैं। जबकि एक हजार से अधिक बदरीनाथ जाने वाले यात्री पांडुकेश्वर, गोविंदघाट, जोशीमठ में रोके गए हैं। यात्रियों को हाईवे खुलने का इंतजार है। पुलिस अधीक्षक चमोली श्वेता चौबे ने बताया कि यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है। हाईवे खुलते ही यात्री वाहनों की आवाजाही सुचारु कर दी जाएगी। एसपी ने कहा कि नाले में पानी का जलस्तर बढ़ने से हाईवे को नुकसान पहुंचा है। दोपहर एक घंटे पुरसाड़ी में भी बदरीनाथ हाईवे बाधित रहा। लेकिन, इस दौरान वाहनों की आवाजाही नंदप्रयाग कौठियालसैंण चमोली संपर्क मार्ग से होती रही। वहीं, उत्तरकाशी में गत वीरवार दिन में भी करीब आठ घंटे तक बंदरकोट के पास राजमार्ग बाधित रहा है। वीरवार की रात को सीमा सड़क संगठन ने सुरक्षा की दृष्टि से यातायात बंद रखा। उत्तराखंड जल विद्युत निगम की मनेरी भाली द्वितीय परियोजना के बैराज की झील किनारे सुरक्षा दीवार की फाउंडेशन कमजोर होने के कारण जोशियाड़ा पार्किंग में करीब 20 मीटर भू-धसाव हुआ है। जिससे परियोजना सहित जोशियाड़ा क्षेत्र में कटाव की आशंका बढ़ सकती है।

शुक्रवार की दोपहर बाद यहां भू-धसाव हुआ। इससे जल विद्युत निगम और जोशियाड़ा क्षेत्र में हड़कंप मच गया। पार्किंग में खड़ी गाड़ियां भी भू-धसाव की चपेट में आ गयी। इन वाहनों को जल विद्युत निगम ने वहां से हटवा दिया। दरअसल जिस स्थान पर भू-धसाव हुआ है उस स्थान के निकट नदी की ओर पानी का बहाव सुरक्षा दीवार की बुनियाद पर प्रेशर मार रहा है। जब बैराज खोला जाता है तो नदी का प्रवाह भी जोशियाड़ा पार्किंग की ओर अधिक रहता है।

उत्तराखंड को ड्रग्स फ्री स्टेट बनाने के लिए सरकार ने उठाया बड़ा कदम

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में बढ़ते नशो को देखते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उठाया बड़ा कदम, हाल ही में हुए एक मीटिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2025 तक नशामुक्त देवभूमि के लिए मिशन मोड में काम किया जाए। इसके लिए सभी संबंधित विभाग मिलकर काम करें। मुख्यमंत्री सचिवालय में नार्को कोऑर्डिनेशन (एनसीओआरडी) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड को नशा मुक्त बनाने के लिए हर क्षेत्र के सभी लोगों को जिम्मेदारी और समन्वय के साथ काम करना होगा. जो भी हो, देवभूमि को नशामुक्त राज्य बनाने का लक्ष्य है, यह लक्ष्य निश्चित रूप से वर्ष 2025 तक हासिल किया जाना है। उत्तराखंड में बढ़ रहे ड्रग सप्लायर्स पर तगड़ा प्रहार करना है उनको जड़ से हटाना है। तो वहीं दूसरी ओर बच्चों और युवाओं को ड्रग्स की चपेट में आने से बचाना है। पुलिस को सख्ती बढ़ाने का आदेश देते हुए ड्रग्स सप्लाई की चेन को तोड़ने के लिए पुलिस विभाग मुखबिर तंत्र को और मजबूत करे। ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ने के लिए पुलिस, आबकारी व ड्रग्स कंट्रोलर मिलकर काम करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा करने वाले बच्चों और युवाओं को उचित काउंसलिंग की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए. कॉलेजों में दाखिले के समय विशेष काउंसलिंग की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नशा करते पकड़े गए बच्चों के साथ अपराधियों जैसा व्यवहार करने की बजाय उनके पुनर्वास पर विशेष ध्यान दिया जाए. महाविद्यालयों में नियमित रूप से अभिभावक शिक्षक बैठक आयोजित की जाए। समाज कल्याण व अन्य विभागों को युवाओं की जागरूकता पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए सोशल मीडिया और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने प्रदेश में दो सरकारी नशा मुक्ति केंद्र बनाने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसमें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध होने के साथ स्किल डेवलपमेंट पर भी ध्यान दिया जाए। सभी संबंधित विभागों को लेते हुए एंटी ड्रग्स टास्क फोर्स को एक्टिव किया जाए. निजी नशा मुक्ति केंद्रों के लिए सख्त गाइडलाइन बनाकर उस पर फालोअप किया जाए. मुख्यमंत्री ने अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी को ड्रग्स फ्री देवभूमि अभियान की नियमित समीक्षा करने के निर्देश दिये. सीएम ने कहा कि जिला स्तर पर डीएम भी लगातार मॉनिटरिंग करें.

डेयरी संचालकों के लिए अनिवार्य होगा रजिस्ट्रेशन, जुर्माने व कार्रवाई से बचें

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

चेतावनी : डेयरी संचालकों को अब करना होगा रजिस्ट्रेशन, आपको बता दे नगर निगम प्रशासन ने डेयरी संचालकों पर शिकंजा कसने की पूरी तैयारी कर ली है। सभी डेयरी संचालकों को रजिस्ट्रेशन करने के लिए जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा।निगम की पिछली बोर्ड बैठक में बोर्ड में डेयरी कानून लाने का प्रस्ताव रखा गया था, जिसके लिए नगर निगम गजट प्रकाशित करने की तैयारी कर रहा है। नगर आयुक्त मनुज गोयल ने कहा कि अगर कोई डेयरी संचालक अपना पंजीकरण नहीं करवाता है तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा या उपनियमों के तहत कार्रवाई की जाएगी। पिछली बोर्ड बैठक में डेयरी संचालकों के लिए उपनियमों को हटाने का प्रस्ताव पारित किया गया था। नगर निगम ने उप-नियमों के संबंध में आपत्ति सुझाव भी मांगे थे, जो आपत्तियां व सुझाव आए थे, उनका निस्तारण कर उपनियमों में जोड़कर कार्रवाई पूरी कर ली गई है।

फिलहाल निगम प्रशासन इसे गजट में छापने की कार्रवाई कर रहा है। गजट प्रकाशित होते ही निगम क्षेत्र में डेयरी बायलॉज जारी कर दिए जाएंगे। जिससे सभी डेयरी संचालकों को रजिस्ट्रेशन व अन्य औपचारिकताएं पूरी करनी होंगी। पशु विभाग को भी निर्देश दिया गया है कि लोगों को जानकारी का अभाव है। उन्हें जागरूक किया जाना चाहिए। नगर आयुक्त मनुज गोयल ने कहा कि पंजीयन नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि कोई डेयरी संचालक जुर्माने के बाद भी उपनियमों का नियम तोड़ता है तो उसकी डेयरी भी जब्त की जा सकती है।

डेयरी संचालकों को पंजीकृत करने के बाद शहर भर में डेयरियां कहां स्थित हैं और कितने जानवर हैं, इसकी जानकारी होगी। कई बार ऐसी शिकायतें आती हैं कि लोग डेयरी मवेशियों को सड़कों पर छोड़ कर शाम को वापस ले जाते हैं। जिससे आम जनता और यातायात लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

धामी विज़न का असर,राधिका झा और डॉ आर राजेश कुमार की संयुक्त टीम की मुहिम

प्रदेश के कारागारों में हैपेटाइटिस बी, सी की निःशुल्क जांच का सघन अभियान

राधिका झा,सचिव,स्वास्थ्य विभाग

डॉ आर राजेश कुमारप्रभारी सचिव, स्वास्थ्य विभाग

महविश
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून, 29 जुलाई 2022 ।विश्व हैपेटाइटिस दिवस के अवसर पर दिनांक 28 जुलाई 2022 से 04 अगस्त 2022 तक प्रदेश के कारागारों में निरूद्ध बंदियों की हैपेटाइटिस बी एवं सी की निःशुल्क जांच अभियान का संचालन किया जा रहा है।इस अवसर पर श्रीमती राधिका झा, सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा भारत सरकार की इस मुहिम को व्यापक पैमाने पर पहुंचाने के लिए राज्य से ले कर जिला स्तर पर गाँव गाँव में जनजागरूकता के विभिन्न कार्यक्रमों एवं माध्यमों द्वारा hepatitis बीमारी के बचाव के संबंध में प्रचार प्रसार करने के साथ क्षमता विकास एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों के सफल सम्पादन हेतु विभाग को कार्य करने पर बल दिया है।डॉ. आर राजेश कुमार, प्रभारी सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा बताया गया कि कैम्पेन मोड में चल रहा यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के राष्ट्रीय वायरल हैपेटाइटिस नियंत्रण कार्यक्रम (एनवीएचसीपी) के अंतर्गत संचालित हो रहा है।

इस अभियान में मुख्य चिकित्साधिकारियों को आदेशित कर सभी जिला कारागार, उप-कारागार, केन्द्रीय कारागार में हेपैटाईटिस बी एवं सी के संक्रमित बंदियों का उपचार सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।प्रभारी सचिव द्वारा बताया गया कि इस अभियान में प्रीजन इंटरवेंशन कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है जहां कारागारों में एकीकृत परामर्श एवं परीक्षण केंद्र की सुविधा एवं निरूद्ध बंदियों को एच.आई.वी. जांच एवं परामर्श प्रदान किया जा रहा है।डा. सरोज नैथानी, निदेशक, एनएचएम द्वारा बताया गया कि इस अभियान के सफल संचालन हेतु प्रत्येक जनपद स्तर पर गठित टीम को कारागारों में वांछित सहयोग प्रदान किया जाता है एवं कारागारों के मेडिकल, पैरामेडिकल स्टाफ एवं प्रिज़न पीयर वॉलेन्टीयर की ट्रेनिंग भी करायी जाती है।

वर्तमान समय में जिला कारागार हरिद्वार में 247, हल्द्वानी में 132, टिहरी में 120 एवं अल्मोड़ा में 50 बंदियों की हैपेटाइटिस बी एवं सी की निःशुल्क जांच की गयी है। डा. नैथानी द्वारा बताया गया कि एच.आई.वी./एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु भारत में एचआईवी संक्रमण के खिलाफ एकजुटता और कार्रवाई (साथी) प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है जिसके माध्यम से अलग-अलग कार्यक्रम किये जाते हैं। जिनमें संवेदना कार्यक्रम के अन्तर्गत माँ से बच्चे मंत संचरण का उन्मूलन को सुदृढ़ किया जाता है। वहीं, मिश्रित प्रशिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत चिकित्साधिकारियों, नर्स, लैब पर्सनल, फार्मासिस्ट, डाटा मैनेजर आदि कार्मिकों का क्षमता विकास किया जाता है। जिसके क्रम में शुभ शिक्षा के माध्यम से प्रदेश के विभिन्न कारागारों में एच.आई.वी., टी.बी., एस.टी.आई. एवं हैपेटाइटिस आदि सेवायें प्रदान किये जाने हेतु टीम का गठन किया गया है।

एसएसपी दिलीप सिंह कुंवर ने दिए नए निर्देश, रात में बेवजह सड़क पर घूमते मिले तो थाने ले जाएगी पुलिस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हाल ही में नियुक्त एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने देहरादून को अपराध मुक्त शहर बनाने का निर्णय लिया है। जिसके लिए वह तेजी से और सख्ती से काम कर रहे हैं।इस बार एसएसपी ने रात्रि ड्यूटी में नियुक्त समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को, वाहनों की तलाशी व चेकिंग के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही रात में बेवजह घूमने वाले लोगों को भी थाने लाकर उनका सत्यापन करने को कहा गया है। इसी के साथ ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालो के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का थाना है। सभी अधिकारी एवं थाना प्रभारी रात्रि ड्यूटी पर तैनात कर्मचारियों की नियमित जांच व जानकारी करेंगे। एसएसपी ने कहा कि वह खुद रात में रैंडम चेकिंग करेंगे। इस दौरान ड्यूटी में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

देहरादून में भारी ट्रैफिक के कारण एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने कहा कि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए पुलिस अधीक्षक यातायात सभी थाना प्रभारियों के साथ मिलकर कार पूलिंग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगे।एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने अपने कार्यालय में आयोजित संगोष्ठी के दौरान कहा कि सड़कों पर वाहनों का दबाव कम करने के लिए पुलिस अधीक्षक यातायात सभी थाना प्रभारियों के साथ मिलकर कार पूलिंग को बढ़ावा देने के लिए जागरूकता अभियान चलाएंगे। थाना प्रभारी सीसीटीवी और सर्विलांस के साथ मैनुअल पुलिसिंग पर भी काम करेंगे। यह भी सुनिश्चित करें कि प्रत्येक बीट कांस्टेबल सूचना एकत्र करने के लिए रोजाना कम से कम एक घंटे के लिए अपने बीट पर जाए। बीट सिस्टम में अच्छा काम करने वाले थाना प्रभारी को सम्मानित किया जाएगा।

एसएसपी दलीप सिंह कुंवर ने और भी दिए निर्देश, इन पर भी डालिये एक नज़र :यातायात के सुचारू संचालन के लिए विद्यालय एवं कार्यालय के खुलने एवं बंद होने के समय अपने-अपने क्षेत्रों में थाना प्रभारियों एवं चौकियों को सड़कों पर तैनात किया जायेगा.सभी अधिकारी, यातायात निरीक्षक और थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में यातायात के दबाव वाले मार्गों का दौरा करेंगे। इसमें यह आकलन किया जाएगा कि कट कहां खोला जाना है और रूट पर ट्रैफिक डायवर्ट किया जाए।

किसी भी जिले की पुलिस व्यवस्था का आकलन उस जिले की ट्रैफिक व्यवस्था को देखकर किया जाता है। इसलिए सभी थाना और चौकी क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन की पूरी जिम्मेदारी थाना और चौकी प्रभारी की होगी। भूमि विवाद से जुड़े मामलों के निपटारे के लिए जिलाधिकारी द्वारा कमेटी गठित की गई है. समिति प्रत्येक सोमवार को भूमि संबंधी मामलों का निराकरण करेगी। इस संबंध में सभी थाना व चौकी प्रभारी अपने थाना क्षेत्रों में आमजन को जागरूक करेंगे.

देहरादून राजपुर थाना पुलिस ने पिस्टल व कारतूस के साथ दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

आपको बता दें कि कल देर रात एक व्यक्ति करने वाले ने 112 पर सूचना दी कि द वॉल स्ट्रीट रेस्टोरेंट्स राजपुर रोड के पास एक शख्स ने फायरिंग कर दी है.सूचना पर थाना राजपुर पुलिस उच्च अधिकारियों को सूचित करते हुए तत्काल मौके पर पहुंची। मौके पर पहुंचने केपश्चात कॉलर से संपर्क किया गया तो उसने बताया कि पास ही खड़ी काले रंग की स्कार्पियो में बैठे व्यक्ति द्वाराफायरिंग की गई है। पुलिस द्वारा उक्त व्यक्ति की तलाशी ली गई तो उसके पास से एक ऑटो पिस्टल 9mm बिनालाइसेंस के प्राप्त हुई।

उक्त स्कॉर्पियो गाड़ी में एक अन्य व्यक्ति बैठा हुआ था, जब पुलिस द्वारा उसकी जामा तलाशीली गई तो उसके पास भी एक ऑटो पिस्टल बिना लाइसेंस के प्राप्त हुई। जिस पर थाना हाजा पर मुकदमा अपराधसंख्या 189/22 धारा 3/25 व 190 /22 धारा 3/25 पंजीकृत किया गया तथा उक्त दोनों अभियुक्तों को गिरफ्तार कियागया।अभियुक्तों के अपराधिक इतिहास के बारे में पता किया जा रहा है। गिरफ्तार अभियुक्तों को माननीय न्यायालय पेशकिया जा रहा है। अस्थाई राजधानी देहरादून के थाना राजपुर पुलिस द्वारा दो अवैध पिस्टल और कारतूसों के साथ दोअभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया है।

गिरफ्तार अभियुक्त

अभिषेक पुत्र हरीश कुमार निवासी ग्राम लखनी कला थाना कुंवारका जनपद सहारनपुर उत्तर प्रदेश 26 वर्ष। दूसरे अभियुक्त शिवांग पुत्र सतवीर निवासी आईएमटी कॉलेज गंगा द सोसाइटी थाना बक्सर जनपद मेरठ उत्तर प्रदेश उम्र 26 वर्ष। अभियुक्तों से बरा उदगी का विवरण02 अवैध पिस्तौल मया 01 जिंदा कारतूस । वाहन संख्या यूके 17 एम 6677 काली स्कॉर्पियो ।

देहरादून में मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर साढ़े चार लाख की ठगी

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून में साइबर ठगी थमने का नाम नहीं ले रही है। आए दिन धोखाधड़ी के मामले सामने आ रहे हैं। जिसके लिए उत्तराखंड की पुलिस भी सख्त हो गई है। हाल ही में थाना नेहरू क्षेत्र के अंतर्गत मुद्रा लोन दिलाने के नाम पर साइबर ठगों ने एक व्यक्ति से लाखों रुपये ठगे। पीड़िता की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

आपको बता दें कि पीड़िता का नाम अशोक कुमार वर्मा है। पीड़िता ने रेजिडेंट डिफेंस कॉलोनी में शिकायत दर्ज कराई है। उनके मुताबिक, उन्होंने 12 जुलाई को कर्ज के लिए ऑनलाइन आवेदन किया था। उसके बाद टाटा कैपिटल के नाम से अशोक कुमार के पास एक मेल आया। जिसमें 5 लाख रुपये के मुद्रा लोन की मंजूरी की बात कही गई थी। इसके बाद अशोक के पास अलग-अलग नंबरों से फोन आने लगे। अशोक के पास मनीष कुमार का फोन आया, जिसने मनप्रीत और उसके सहयोगी को बताया। उन्होंने खुद को टाटा कैपिटल का अकाउंट एमडी और एसोसिएट बताया। दोनों ने बताया कि कर्ज देने से पहले अलग-अलग चार्ज के नाम पर रकम जमा करनी होती है।

अशोक कुमार दोनों आरोपियों के जाल में फंस गया। अलग-अलग तारीखों में साढ़े चार लाख रुपए ट्रांसफर किए गए। लेकिन अशोक कुमार को कर्ज नहीं मिला। उसके बाद भी दोनों आरोपी और पैसे की मांग करते रहे। अशोक कुमार को शक था कि उसके साथ साइबर फ्रॉड हो रहा है। अशोक ने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपी ने मोबाइल नंबर बंद कर दिए। थाना नेहरू कॉलोनी प्रभारी प्रदीप चौहान ने बताया कि पीड़ित अशोक कुमार वर्मा की शिकायत के आधार पर अज्ञात आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है. साथ ही पुलिस द्वारा नंबर और मेल की जांच की जा रही है।

रात को करते थे चोरी, पुलिस ने सात को किया गिरफ्तार, बिहार की हैं तीन महलिाएं

देहरादूनः सेनेटरी की दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपये का सामान चोरी करने के मामले में नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने सात आरोपितों को गिरफ्तार किया है। आरोपित दिन में कबाड़ खरीदने के नाम पर शहर में घूमते थे और रेकी करने के बाद रात को चोरी करते थे। आरोपितों में तीन महिलाएं हैं, जोकि मूल रूप से बिहार की रहने वाली हैं। गांव की जमीन पर स्कूल तो एलडीए से जमीन करवाई अपने नाम, राम बिलास यादव की संपत्ति की जांच में सामने आए चौकाने वाले तथ्य वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दलीप सिंह कुंवर ने बताया कि 26 जुलाई की रात को नत्थनपुर जोगीवाला स्थित एक सेनेटरी की दुकान के ताले तोड़कर चोरों ने सामान चोरी कर लिया। नेहरू कालोनी थाना पुलिस ने दुकान मालिक इंद्रप्रस्थ कालोनी नत्थनपुर जोगलीवाला निवासी विपिन नेगी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कर जांच शुरू की। उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जीओसी मेजर जनरल संजीव खत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। चम्पावत में सीएसडी कैंटीन का होगा विस्तारीकरण, उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जीओसी ने मुख्यमंत्री धामी से की भेंट सीसीटीवी फुटेज के आधार पर नेहरू कालोनी थाना निरीक्षक प्रदीप चौहान ने आरोपितों की पहचान मोहम्मद शाकिर निवासी पटेलनगर, मुकेश उर्फ पप्पू साहनी निवासी कांवली रोड, अभिषेक निवासी धामावाला, सोनू निवासी कांवली रोड, ममता निवासी कांवली रोड मूल निवासी ग्राम मस्तावपुर जिला दरभंगा (बिहार), सुनीला देवी निवासी कांवली रोड मूल निवासी ग्राम पुलवरिया जिला दरभंगा (बिहार) और जानकी देवी निवासी कांवली रोड मूल निवासी ग्राम विसोर जिला दरभंगा (बिहार) के रूप में की।

तीज उत्सव में पूर्व मुख्यमंत्री की पत्नी ने महिलाओं का हौसला बढ़ाया,कई को मिला पुरुस्कार, कुछ ऐसे ही हो गई खुश

महविश
न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। आज दून संस्कृति ने तीज उत्सव जी एम एस रोड स्तिथ होटल कमला पैलेस में मनाया। कार्यक्रम की शुरुवात मुख्य अतिथि डॉ रश्मि त्यागी रावत (धर्मपत्नी पूर्व मुख्यमंत्री, प्रोफेसर एवम् समाज सेवी), अमिता सिंह (पार्षद एवम् समाज सेवी), निवेदिता गांगली (न्यूमरोलॉजी एक्सपर्ट एवम् समाज सेवी), डायरेक्टर डॉ रमा गोयल , अध्यक्ष कल्पना अग्रवाल, प्रिया गुलाटी एवम् एक्जीक्यूटिव सदस्यों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके की गई।सभी अतिथियों का स्वागत पोधे एवम् हाथ का बैंड देकर किया गया।मेघा मित्तल ने इक परदेशी मेरा दिल ले गया, नेहा गुप्ता ने बन्ना रे बागा मै झूला डल्यो, कुसुम सिंह ने टिप टिप बरसा पानी, सीमा गोयल ने आया सावन भरे मनभावन, राखी अग्रवाल ने पिया का देख के, डोली चौहान ने चूड़ी भी ज़िद पर, अमिता चौहान एवम् अनीता गुप्ता ने लुक छू प जाना रे, रेखा पुंडीर ने रंगीलो सावन आयो री, पूजा कंसल एवम् आरुषि सिंघल ने भी तीज के गाने पर नृत्य किया। रेखा पुंडीर ने रंगीला सावन आयो , बबीता गुप्ता,, सुमन पांडेय, रेखा शर्मा एवम् रुचि बिंदल ने रंगीलो सावन आयो पर ग्रुप डांस किया।

सरिता रानी ने सास बहू पर एक नाटिका प्रस्तुत की।तीज क्वीन की 3 चरणों में 45 आयु वर्ग से कम, 45 आयु वर्ग से अधिक एवम् गेस्ट ग्रुप आयोजित की गई।महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए 2 स्टॉल कुर्ती, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, राखी, लड्डू गोपाल जी की ड्रेस आदि के भी लगाए गए। एक दिव्यांग को सपोर्ट करते हुए उसके द्वारा बनाए गए जूट बेग सबने खरीदे। खूबसूरत डेकोरेशन सुमन जैन भाभी, बबीता गुप्ता, दीपा प्रसाद एवम् चारु गुप्ता जी द्वारा की गई। पूरे कार्यक्रम को गौरी एवम् चारु गर्ग ने मंच संचालन कर चार चांद लगा दिए।सभी परफॉर्मर्स को रमा गोयल एवम् कल्पना अग्रवाल जी द्वारा गिफ्ट दिए गए। तीज क्वीन का ताज इस प्रकार रहा।45 आयु से कम45 आयु वर्ग से अधिकअतिथि

नहीं नहीं यह कोई हवाई अड्डा नहीं है, ये है भारत का पहला विश्व.....

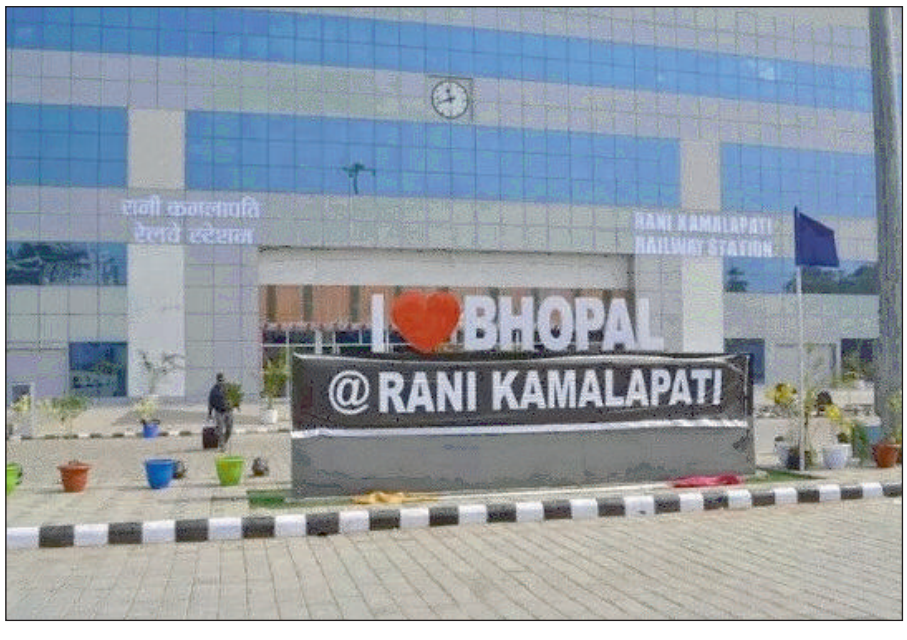

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देश में कई ऐसे रेलवे स्टेशन हैं, जो अपनी खूबसूरती और सुविधा के लिए जाने जाते हैं। लेकिन, आज बात भारत के प्रथम विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन की, जिसे देखकर आपको लगेगा कि आप किसी एयरपोर्ट पर हैं, रेलवे स्टेशन पर नहीं। यह देश का पहला ISO-9001 प्रमाणित रेलवे स्टेशन है। यात्रियों को भीड़भाड़ से बचाएगा। हम बात कर रहे हैं मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के रानी कमलापति रेलवे स्टेशन की, जो किसी एयरपोर्ट से कम नहीं है। इस स्टेशन को साल 2021 में दोबारा विकसित किया गया था। जो जर्मनी के हीडलबर्ग रेलवे स्टेशन की तर्ज पर हुआ है।

इसमें एयर कॉनकोर्स की सुविधा है। जो 84 मीटर लंबा और 36 मीटर चौड़ा है। जिसमें यात्री भीड़ से बचते हुए अंदर जा सकेंगे। इस एयर कॉनकोर्स में भी 900 यात्रियों के बैठने की क्षमता है। यह एक आच्छादित शहर है, इसे कभी हबीबगंज रेलवे स्टेशन के नाम से जाना जाता था। लगभग 450 करोड़ रुपये की लागत से इसका जीर्णोद्धार किया गया था। इसमें वर्ल्ड क्लास रेलवे स्टेशन जैसी सुविधाएं हैं।जिसका नाम गोंड साम्राज्य की साहसी और निडर रानी कमलापति के नाम पर रखा गया था।

इस हवाई अड्डे की तरह दिखने वाले आधुनिक रेलवे स्टेशन में एक पूरा शहर बसा हुआ है। यहां सिनेमा हॉल, शॉपिंग मॉल, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, फाइव स्टार होटल, कैफेटेरिया जैसी सभी सुविधाएं उपलब्ध होंगी।यह देश का पहला ऐसा रेलवे स्टेशन है, जहां यात्रियों की आवाजाही के लिए अलग-अलग रूट बनाए गए हैं। यदि कोई यात्री ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो वह हवाई मार्ग से रेलवे प्लेटफॉर्म पर पहुंचेगा।

वहीं अगर कोई यात्री यहां उतरता है तो वह रेलवे स्टेशन से सब-वे के जरिए निकल जाएगा। स्वच्छ प्रतीक्षालय की सुविधा इस विश्वस्तरीय रेलवे स्टेशन पर साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा गया है. यहां यात्रियों के लिए बेहद आलीशान वेटिंग रूम बनाया गया है। जो बेहद साफ सुथरा है और किसी फाइव स्टार होटल के कमरे से कम नहीं है।

कमलापति रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। लगभग 4 लाख वर्ग फुट के क्षेत्र में फैले रेलवे स्टेशन पर कुल 170 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं. जो हर कदम पर स्टेशन की निगरानी करेगा। इन हाई रेजोल्यूशन सीसीटीवी कैमरों की लाइव रिकॉर्डिंग सर्विलांस रूम में 24 घंटे तक की जाएगी।

हरिद्वार को बारिश ने छुआ ऐसे, शहर पानी-पानी हो गया

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

हरिद्वार में गुरुवार की देर रात हुई तेज बारिश, लोगों को मिली इस बारिश से काफी राहत।राहत सिर्फ बारिश रुकने तक रही, डेढ़ घंटे की तेज बारिश के बाद शहर में फैली गंदगी साफ हो गई।फैलती हुई गंदगी नाले में जम गई, जिससे हरिद्वार में जगह-जगह जलजमाव के कारण पानी नजर आया।कांवड़ मेले के दौरान हरिद्वार से करीब 4 करोड़ श्रद्धालुओं ने गंगाजल भरा। शहर में इतनी बड़ी संख्या में कांवड़ियों के आने से जगह-जगह कूड़े का अंबार लग गया. हालांकि इस बार कांवड़ के दौरान मौसम काफी सुहावना रहा। हालांकि 2 हफ्ते के अंदर ही तेज बारिश हुई है, लेकिन बादलों के आने और बूंदाबांदी से मौसम सुहावना बना रहा।

कांवड़ियों की भीड़ के कारण शहर में जगह-जगह कूड़ा फैला हुआ था। हरिद्वार में बीती रात करीब 10.30 बजे से दोपहर 12.30 बजे तक मूसलाधार बारिश हुई, जिससे शहर के कई इलाकों में जलजमाव हो गया। चंद्राचार्य चौक, भगत सिंह चौक, कनखल के कई इलाकों, देश रक्षक तिराहा और मोती बाजार में जगह-जगह पानी देखा गया। कई जगहों पर बारिश का पानी बाजार की दुकानों में घुसने की खबर है।

उत्तराखंड के सरकारी स्कूल में छात्र रोते और सिर पीटते दिखे, जानिए पूरी खबर

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

उत्तराखंड बागेश्वर के एक स्कूल के छात्र को रोते, चिल्लाते और सिर पीटते देखा गया प्रशासन और डॉक्टरों की एक टीम ने उत्तराखंड के बागेश्वर जिले के एक सरकारी स्कूल का दौरा किया, जिसके एक दिन बाद कुछ छात्राओं को चिल्लाते, रोते और असामान्य व्यवहार करते हुए देखा गया। इस घटना से शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है।आपको विस्तार से बता दें, दरअसल यह वाकया बागेश्वर के सुदूर रायखुली गांव में हुआ. जूनियर हाई स्कूल की प्रधानाध्यापक विमला देवी ने कहा कि छात्रों के बीच ₹असामान्य₹ गतिविधि की सूचना सबसे पहले मंगलवार को मिली जब कुछ छात्राओं और एक पुरुष छात्र ने सामान्य तरीके से व्यवहार किया।शिक्षिका विमला देवी ने कहा, "वे रो रहे थे, चिल्ला रहे थे, कांप रहे थे और यहां तक कि बिना किसी कारण के अपना सिर पीटने की कोशिश कर रहे थे। हमने माता-पिता को बुलाया, उन्होंने एक स्थानीय पुजारी को बुलाया और इस तरह स्थिति नियंत्रण में आ गई।" घटना गुरुवार को फिर दोहराई गई।कोमल रावत नाम की एक छात्रा का मानना था कि गीली और अँधेरी कक्षाओं ने डर को और बढ़ा दिया। यह अभी तक 'ऑन रिकॉर्ड' स्पष्ट नहीं है कि छात्रों को क्या परेशानी हुई। हालांकि डॉक्टरों का मानना है कि यह 'मास हिस्टीरिया' का मामला लगता है। दून मेडिकल कॉलेज की डॉक्टर डॉ. जया नवानी ने रेखांकित किया कि 'मास हिस्टीरिया' के ऐसे मामले स्पष्ट रूप से छात्रों के आसपास के सामाजिक विकास से सीधे जुड़े हुए हैं।

आपको बता दें, पहाड़ियों के कुछ हिस्सों में आस्था को ठीक करना एक आम बात है और यह उन बच्चों के दिमाग पर प्रभाव छोड़ सकता है जो अक्सर दैनिक जीवन में इस तरह की प्रथाओं का अनुभव करते हैं" डॉ नवानी ने समझाया। बागेश्वर में जिला पंचायत के सदस्य चंदन रावत ने सहमति व्यक्त की कि ऐसे मामलों को 'मास हिस्टीरिया' कहा जा सकता है। उन्होंने दावा किया कि पूर्व में जिले के कुछ अन्य स्कूलों में भी इस तरह की घटनाएं हो चुकी हैं।देहरादून में शिक्षा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी मुकुल सती ने कहा कि बागेश्वर की घटना कोई इकलौता मामला नहीं था क्योंकि विभाग को चकराता (देहरादून) और उत्तरकाशी के अन्य स्कूलों से इसी तरह की रिपोर्ट मिली थी।

धर्मनगरी हरिद्वार, ऋषिकेश के श्रद्धालु के लिए अब खुशखबरी 1 अगस्त से चलेंगी पैसेंजर ट्रेन

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

प्रतिदिन श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए और बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भी हैं जो प्रतिदिन हरिद्वार और ऋषिकेश के बीच ऑटो या बस से यात्रा करते हैं। इन सभी लोगों की दैनिक समस्या का समाधान करते हुए मुरादाबाद मंडल ने 1 अगस्त से हरिद्वार और ऋषिकेश के बीच पैसेंजर ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। जिसकी लंबे समय से मांग की जा रही थी।स्थानीय लोगों और यात्रियों की सुविधा के लिए मुरादाबाद मंडल रेल प्रशासन ने यात्री ट्रेनों के संचालन का फैसला किया है. इसी क्रम में पहली बार हरिद्वार से ऋषिकेश के लिए पैसेंजर ट्रेन का संचालन किया जाएगा। पैसेंजर ट्रेन दिन में दो बार ऋषिकेश जाएगी। इस दौरान

ट्रेन मोतीचूर, रायवाला, वीरभद्र होते हुए ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पहुंचेगी।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सुधीर सिंह ने बताया कि हरिद्वार और ऋषिकेश दोनों ही पर्यटन स्थल हैं। पास में स्थित होने के कारण कई लोग रोजाना दोनों शहरों में जाकर नौकरी करते हैं। अब तक ये लोग सिर्फ ऑटो या बस के सहारे थे।

अब उनकी सुविधा के लिए प्रतिदिन यात्री ट्रेनों का संचालन करने का निर्णय लिया गया है। पैसेंजर ट्रेन का संचालन हरिद्वार से ऋषिकेश और ऋषिकेश से हरिद्वार के लिए किया जाएगा।हरिद्वार से ऋषिकेश के लिए ट्रेन हरिद्वार रेलवे स्टेशन से सुबह 5:10 बजे रवाना होगी और 10:35 बजे ऋषिकेश के लिए रवाना होगी। दोनों ट्रेनें 6:15 बजे और 11:40 बजे ऋषिकेश रेलवे स्टेशन पहुंचेगी। दोनों ट्रेनों का संचालन 1 अगस्त से हरिद्वार से शुरू किया जाएगा। वहीं, ऋषिकेश से यात्री ट्रेन सुबह 7:50 बजे रवाना होगी और 8:55 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। यह ट्रेन भी एक अगस्त से चलेगी।

वहीं दूसरी ट्रेन ऋषिकेश से शाम 6:25 बजे रवाना होगी और शाम 7:30 बजे हरिद्वार पहुंचेगी. इस ट्रेन का संचालन 2 अगस्त से शुरू किया जाएगा। इनके अलावा हरिद्वार-चौंडासी-हरिद्वार ट्रेन को ऋषिकेश-चौंडासी-हरिद्वार के बीच संचालित करने का भी निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन 1 अगस्त को ऋषिकेश से शुरू होगी और चौंदासी से इस ट्रेन का संचालन 2 अगस्त से शुरू होगा.

संपादकीय

मंकीपॉक्स का खतरा

विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा मंकीपॉक्स को वैश्विक स्वास्थ्य चिंता घोषित करने के साथ ही दुनियाभर में इस संक्रमण की रोकथाम की कोशिशों में तेजी आ गयी है. इस पहल में भारत को बड़ी कामयाबी मिली है. भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद ने एक संक्रमित व्यक्ति से प्राप्त नमूने से मंकीपॉक्स वायरस को अलग कर दिया है. इसी के साथ संस्थान ने संक्रमण की जांच के लिए साजो-सामान तथा विशेष टीका बनाने के लिए निजी कंपनियों से प्रस्ताव भी आमंत्रित किया है. किसी भी संक्रामक बीमारी के सटीक उपचार के लिए सबसे पहले उसके लिए जिम्मेदार वायरस या बैक्टीरिया की पहचान करनी होती है. उसकी संरचना की जानकारी होने के बाद ही उसे निष्क्रिय करने का इंतजाम किया जा सकता है. दुनियाभर में मंकीपॉक्स से 17 हजार से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं. हालांकि भारत में अभी आधा दर्जन से भी कम मामले हैं, पर इसके संक्रमण के प्रसार की आशंका को नकारा नहीं जा सकता है. इसीलिए चिकित्सा संस्थाएं सचेत हैं तथा सरकार की ओर से कई दिशानिर्देश जारी किये गये हैं. बीमार व्यक्ति को 21 दिनों तक अलग रखने तथा शरीर के संक्रमित हिस्से को ढक कर रखने की सलाह दी गयी है. संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आये लोगों को भी अलग रहने को कहा गया है. मास्क पहनने और हाथ साफ रखने के निर्देश भी दिये गये हैं. बुखार, खुजली, चकते होने जैसे लक्षणों के दिखने पर तुरंत चिकित्सक से संपर्क करना चाहिए. जांच के सामान और टीकों की उपलब्धता होने से मंकीपॉक्स की रोकथाम में बहुत आसानी हो जायेगी. यह याद रखा जाना चाहिए कि कोरोना संक्रमण के दौर में भारत अपनी आबादी के बहुत बड़े हिस्से को टीका इसलिए मुहैया करा सका है क्योंकि दो टीके देश में ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रहे हैं. कई देशों को भी टीकों का निर्यात किया गया है. भारत दवाओं के सबसे बड़े उत्पादक देशों में है तथा यहां मेडिकल सामानों का भी व्यापक पैमाने पर निर्माण होता है । यदि हम जांच के लिए किट बना लेते हैं, तो देशभर में कहीं भी संक्रमण का पता लगाने में आसानी होगी. देश में ही टीकों के निर्माण से हमें दूसरे देशों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा और हम अन्य देशों की मदद कर सकेंगे. कोरोना काल में हमें इस कड़वे सच का सामना करना पड़ा था कि हमारे अस्पतालों में संसाधनों एवं सुविधाओं की कमी है. कस्बों और दूर-दराज के इलाकों में यह समस्या अधिक गंभीर है.

निजी वाहनों को टोल टैक्स से छूट, जानिए पूरी खबर

Government of MADHYA PRADESH

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मध्य प्रदेश के निजी वाहन मालिकों ने ली राहत की सांस मध्य प्रदेश के सरकार से मिली निजी वाहनों को राहत। बता दे मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने निजी वाहन मालिकों से टोल टैक्स वसूली के नियम को तोड़ने का फैसला किया है।वर्तमान में, मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार ने मध्य प्रदेश में टोल प्लाजा पर अक्सर होने वाले भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति को कम करने के लिए निजी वाहन मालिकों को टोल टैक्स से छूट देने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश राज्य सरकार द्वारा लाए गए इस नए नियम के तहत राज्य सड़क विकास निगम के अंतर्गत आने वाली सभी नई और पुरानी सड़कों को शामिल किया गया है, जहां अब निजी वाहन मालिकों को टोल टैक्स नहीं देना होगा. राज्य परिवहन प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई की पुष्टि के अनुसार इस नए नियम के प्रस्ताव को अंतिम मंजूरी के लिए कैबिनेट के पास भेजा गया है।

यह फैसला लेने से पहले लोक निर्माण विभाग ने राज्य की करीब 200 सड़कों का सर्वे किया. इस सर्वेक्षण से पता चला कि लगभग 80 प्रतिशत टोल राशि वाणिज्यिक वाहनों से और शेष 20 प्रतिशत निजी वाहनों से एकत्र की जाती है। हालांकि, टोल प्लाजा पर टोल राशि का भुगतान करने के लिए लाइन में लगे निजी वाहनों की संख्या वाणिज्यिक वाहनों की तुलना में बहुत अधिक है, जो अक्सर ट्रैफिक जाम और वाणिज्यिक वाहनों के लिए भीड़ का कारण बनता है।

नतीजतन, राज्य सरकार ने टोल प्लाजा पर भीड़ से बचने के लिए निजी वाहनों को करों से छूट देने का फैसला किया।लोक निर्माण विभाग द्वारा सर्वेक्षण के तहत ली गई सभी 200 सड़कों का निर्माण राज्य सड़क विकास निगम द्वारा बिल्ड ऑपरेट एंड ट्रांसफर (बीओटी) पद्धति से किया गया था।

इस पद्धति के तहत, एक निजी कंपनी को राज्य सरकार द्वारा तय की गई एक निश्चित अवधि के लिए रखरखाव और विकास का काम सौंपा जाता है।मध्य प्रदेश में अब से केवल वाणिज्यिक वाहनों को ही टोल टैक्स देना होगा। निजी वाहन मालिकों के अलावा राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रियों और संसद सदस्यों सहित वीआईपी के वाहनों को पहले से ही इस नियम से छूट दी गई है। इन वीआईपी के अलावा, न्यायाधीशों, मजिस्ट्रेटों, केंद्र सरकार के सचिवों, भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरणों के अधिकारियों, पुलिस, दमकल, एम्बुलेंस और रक्षा वाहनों को भी टोल प्लाजा पर करों का भुगतान करने से दूर रखा जाता है।

जीपीएस आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम के तहत ग्राहक हाईवे पर तय की गई दूरी के हिसाब से टोल का भुगतान करेंगे। नए कानून आनुपातिक आधार पर टोल वसूलेंगे। इसका मतलब है कि आप जितना अधिक राजमार्गों का उपयोग करेंगे, आपको उतनी ही अधिक राशि का भुगतान करना होगा। फिलहाल टोल बूथों पर स्टेप्ड रेट पर टोल वसूला जाता है।यह प्रणाली पहले से ही कई यूरोपीय देशों में काम कर रही है और यह काफी सफल भी है। भारी सफलता के कारण, भारत सरकार भारतीय सड़कों पर भी इसी तरह की प्रणाली को लागू करने की योजना बना रही है।टोल रोड पर कार चलाते ही जीपीएस आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम यात्रा की रिकॉर्डिंग शुरू कर देता है। कार के बाहर निकलने पर यह रुक जाता है। उपयोगकर्ता को एक्सप्रेसवे पर उसके द्वारा चलाए गए किलोमीटर के आधार पर टोल का भुगतान करना होगा।

चम्पावत में सीएसडी कैंटीन का होगा विस्तारीकरण, उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जीओसी ने मुख्यमंत्री धामी से की भेंट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादूनः उत्तराखंड सब एरिया मुख्यालय के जनरल आफिसर कमांडिंग (जीओसी) मेजर जनरल संजीव खत्री ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि चम्पावत में सीएसडी कैंटीन का विस्तारीकरण किया जा रहा है। सीएम ने कहा कि आर्मी कैंटीन के विस्तारीकरण से चम्पावत व उसके आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले सैनिकों, पूर्व सैनिकों व उनके पारिवारिक सदस्यों को काफी सुविधा मिलेगी।

दरअसल, चम्पावत क्षेत्र के पूर्व सैनिकों ने चम्पावत में कैंटीन की बेहतर सुविधा के लिए मुख्यमंत्री के भ्रमण के दौरान मांग की थी। चम्पावत में आर्मी कैंटीन के विस्तारीकरण के लिए सीएम ने उत्तराखंड सब एरिया के जीओसी से विचार-विमर्श किया था। जिसके बाद सेना ने चम्पावत में कैंटीन का विस्तारीकरण करने का निर्णय लिया है। जीओसी ने वीरता पदक से अलंकृत सैनिकों को दी जाने वाली सम्मान राशि में वृद्धि पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। युद्ध व विभिन्न आपरेशन में बलिदान हुए सैनिकों के आश्रितों को दी जा रही राशि में भी वृद्धि का अनुरोध किया। कहा कि यह अन्य राज्यों की तुलना में कम है। जीओसी के साथ गए पूर्व सैनिकों ने अनुग्रह राशि जारी करने की प्रक्रिया को और सुव्यवस्थित करने पर जोर दिया। ताकि शोक संतप्त परिवार को तत्काल सहायता मिल सके। सीएम ने सभी मुद्दों को धैर्यपूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि सरकार इस पर उचित और त्वरित कार्रवाई करेगी। इस दौरान उत्तराखंड एक्स सर्विसमैन लीग के अध्यक्ष ब्रिगेडियर मुकुल भंडारी (सेनि) व देहरादून एक्स सर्विसमैन लीग के अध्यक्ष ले. कर्नल यूएस ठाकुर (सेनि) भी उपस्थित रहे।

नियम क़ायदों का सरलीकरण कर विश्वस्तरीय पर्यटन बनाएंगे : सतपाल महाराज

पर्यटन मंत्री ने ली पर्यटन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

देहरादून। पर्वतमाला के तहत प्रदेश के विभिन्न जनपदों में 46 रोप-वे परियोजनाओं को विकसित किया जायेगा। इसके साथ ही टिहरी विशेष पर्यटन क्षेत्र प्राधिकरण (टाडा) द्वारा फ़्लोटिंग हाउस निर्माण के लिए संस्था का चयन कर लिया गया है। संस्था की ओर से एक हाउस बोट का निर्माण किया जाएगा जिसकी उसे अनुमति दी गई है। यह जानकारी पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने पर्यटन विभाग के अधिकारियों की समीक्षा बैठक कर दी। साथ ही उन्होंने विकास कार्यों की प्रगति की जानकारी भी ली। उत्तराखंड पर्यटन विकास परिषद (यूटीडीबी) के सभागार में आयोजित बैठक में मंत्री ने 13 विकास कार्यों की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए की विकास कार्यों में तेज़ी लाई जाए।उत्तराखंड पहाड़ी राज्य होने के चलते रोपवे की महत्वता को समझता है। इसको ध्यान में रखते हुए मंत्री श्री सतपाल महाराज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जहां रोपवे निर्माण की सम्भावना नहीं है वहाँ फ़र्नीकूलर रेल की सम्भावना तलाशने पर काम किया जाए। वहीं इस मौक़े पर उन्होंने फ़्लोटिंग हाउस के निर्माण की दिशा में होमस्टे का प्रचार-प्रसार किए जाने के लिए किए जा रहे कार्यों की प्रगति भी जानी।पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि विन्टर टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए औली का मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि कुमाऊँ मण्डल विकास निर्माण द्वारा संचालित 43 पर्यटक आवास के शौचालयों में लाटा-लारी को संकेत के तौर पर स्थापित किया जाए। त्रिजुगी नारायण को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने के लिए पर्यटन अधिकारियों के साथ ग्राम पंचायत तथा तीर्थ पुरोहित समाज के साथ बैठक की जाए। योगनगरी ऋषिकेश को पर्यटन थीम पर विकसित किए जाने और 13 डिस्ट्रिक्ट, 13 डेस्टिनेशन की तर्ज़ पर उत्तराखंड को पर्यटन नगरी बनाने के लिए किए जा रहे विकास कार्यों की भी जानकारी ली। वहीं बैठक में मंत्री महाराज ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पर्यटन विभाग की योजना होमस्टे में पंजीकृत के दौरान आने वाली समस्या को दूर करने के लिए नियम क़ायदों का सरलीकरण करने की दिशा में काम किया जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का एलान- प्रदेश में पेट्रोल-डीजल पर नहीं बढ़ेगा वैट

न्यूज़ वायरस नेटवर्क

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में पेट्रोल डीजल पर वैट न बढ़ाने की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निकट भविष्य में भी पेट्रोल-डीजल पर वैट में कोई वृद्धि नहीं होगी। न ही जनता पर कोई नया कर लगाया जाएगा। शुक्रवार को मुख्यमंत्री आवास पर राज्य कर विभाग के अधिकारियों के साथ राजस्व संग्रह की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 1.50 लाख करोड़ रुपये के जीएसटी और वैट संग्रह संग्रह लक्ष्य को पूरा करने के साथ जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों की संख्या में 26 से बढ़ाकर 30 लाख करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस समय पेट्रोल-डीजल की सबसे कम कीमत यूपी में है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में भी वैट में कोई बढ़ोत्तरी नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में राजस्व संग्रह के लिए जोनवार समीक्षा करते हुए अलग-अलग ज़ोन की क्षमता के अनुसार राजस्व संग्रह को बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नियोजित प्रयासों से प्रदेश के राजस्व संग्रह में सतत वृद्धि हुई है। वित्तीय वर्ष 2017.18 में प्रदेश का कुल राजस्व संग्रह 58,700 करोड़ रुपये था जो वर्ष 2021-22 में बढ़कर लगभग 1 लाख करोड़ रुपये हो गया है।

चालू वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के लक्ष्य 31,786 करोड़ रुपये के सापेक्ष 32,386 करोड़ रुपये का संग्रह हुआ है। मुख्यमंत्री ने राजस्व संग्रह की स्थिति पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि जनता से कर के रूप में जमा एकत्रित राशि को प्रदेश के विकास पर खर्च किया जाएगा। बैठक में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, अपर मुख्य सचिव एसपी गोयल, अपर मुख्य सचिव वित्त प्रशांत त्रिवेदी, प्रमुख सचिव राज्य कर नितिन रमेश गोकर्ण, संजय प्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री हर महीने करेंगे जोनवार समीक्षा

मुख्यमंत्री राजस्व संग्रह बढ़ाने के लिए शासन स्तर से फील्ड के अधिकारियों को साप्ताहिक लक्ष्य देने और उसकी साप्ताहिक समीक्षा भी करने के निर्देश दिए। उन्होंने ज़ोन में प्रवर्तन की कार्रवाई तथा राजस्व संग्रह की रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि वह खुद हर महीने जोनवार समीक्षा करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकांश ज़ोन की कार्यशैली को और बेहतर करने की आवश्यकता है। राजस्व संग्रह में आगरा, बरेली, गोरखपुर, अयोध्या जोन ने अपने लक्ष्य की प्राप्ति के लिए सराहनीय प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि झांसी, प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर, गाजियाबाद जैसे क्षेत्रों में औद्योगिक विकास के अनेक बड़े प्रोजेक्ट चल रहे हैं। यहां जीएसटी संग्रह बढ़ाने की बहुत संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री कार्यशैली को बेहतर करने के साथ कर चोरी पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कर चोरी करने वालों के खिलाफ छापेमारी की कार्यवाही करने और इंटेलिजेंस को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लेकिन यह ध्यान रखा जाए कि किसी भी स्थिति में किसी उद्यमी, व्यापारी का उत्पीड़न न हो।

दैनिक
न्यूज वायरस

न्यूज़ वायरस नेटवर्क प्रा. लिमिटेड, मेरठ के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक मौ. सलीम सैफी द्वारा विश्वनाथ प्रिंटर्स, अजबपुर कलां, देहरादून से मुद्रित एवं 48/3 बलबीर रोड, डालनवाला, देहरादून (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक :
मौ. सलीम सैफी
कार्यकारी सम्पादक
आशीष तिवारी
दूरभाष : 0135-2672002

email-dainiknewsvirus@gmail.com
RNI No.- UTTHIN/2012/44094
वाद-विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय मान्य होगा